

प्रेषक,

डी० सेंथिल पाण्डेयन,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 18 सितम्बर, 2015

विषय: कक्षा 1 से 8 की निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों हेतु शिक्षा सत्र वर्ष 2015-16 के लिए राज्यांश मद में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-प्रका०वि०/313/सात-I(03)/2015-16 दिनांक 28.04.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा-1 से कक्षा-8 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों के भुगतानार्थ चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री/निःशुल्क पाठ्य पुस्तक मद में उपलब्ध धनराशि रु० 5.00 करोड़ के सापेक्ष विभागीय मांग के दृष्टिगत अनुदान सं० 11 के अन्तर्गत रु० 3,00,00,000 (रुपये तीन करोड़ मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सं० 400/XXVII(1)/2015 दिनांक 01-04-2015 में वर्णित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक की निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।



- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के सम्बन्ध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन को निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (7) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-01-प्रारम्भिक शिक्षा-102-अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सहायता-20-विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री/ निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण के उपमानक मद-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/ राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-182 (P)/XXVII(3)/2015-16 दिनांक 11-9-2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किया जा रहा है।

भवदीय,

(डी० सैथिल पाण्डयन)  
सचिव।

सं० (i)/XXIV(1)/2015-34/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
04. निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड, ननूरखेड़ा, देहरादून।
05. राज्य परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड सभी के लिये शिक्षा परिषद, ननूरखेड़ा देहरादून।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नन्दन सिंह बिष्ट)  
अनुसचिव।